राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

Diploma In Performing art (D.P.A.)

KATHAK

2023 -24

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**DANCE- KATHAK**Theory- I (History & development of Indian dance)	100	33	100
2	PRACTICAL-I Demonstration and viva	100	33	100
	GRAND TOTAL	200	66	**200**

Diploma In Performing art (D.P.A.)

विषय–कथकनृत्य

(History & development of Indian dance)

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. निम्नलिखित कथा प्रसंगो का अध्ययन
   मोहिनी भस्मासुर ,कालिया दमन, माखन चोरी, सीता हरणआदि।
2. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान ।
   सम, आवर्तन, तत्कार, तिहाई, आमद, थाट,तोडा,परन,कवित्त,गतनिकास।
3. नृत्य में गुरु वंदना एवं भूमि वंदना का महत्व ।
4. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का संक्षिप्त विवरण।
5. झपताल, दादरा, एक ताल की जानकारी।
   पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
6. रामलीला व रासलीला लोकनाट्य की कथा का संक्षिप्त विवरण।
7. संगीत में ताल का महत्व व ताल की व्याख्या।
8. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ' अभिनय दर्पण' के अनुसार शिरोभेद।
9. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ' अभिनय दर्पण' के अनुसार (1–32) असंयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित ज्ञान।
10. कथक नृत्य के प्रमुख चार घराने लखनऊ, जयपुर, बनारस, रायगढ के कलाकारो के नाम व उनकी विस्तृत जानकारी दीजिए।

Diploma In Performing art (D.P.A.)

विषय–कथकनृत्य

प्रायोगिक

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1 नृत्य के आरंभ में गुरु वंदना एवं शिव वंदना।
2 तीनताल में ठाह,दुगुन,तिगुन एवं चौगुन लय कारिया का अभ्यास।
3 झपताल में थाट,आमद, सलामी अथवा नमस्कार व छः तोडे, एक चक्करदार तोडा, 2–तिहाई एक कवित्त एवं चक्करदार परन।
4 आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनयदर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं (1–32) का मौखिक व प्रायोगिक प्रदर्शन।
5 तीनताल में गतनिकास–निकास की गत, घुँघट, सीधीगत।
6 गतभाव–माखनलीला।
7 तीनताल में विशिष्ट प्रकारों(लयबांट अथवा बोलवांट) सहित तत्कार।
8 कहरवा, दादराव तीनताल एवं रुपक की पढन्त ठाह, दुगुन, तिगुन , चौगुन सहित।
9 सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

संदर्भितपुस्तकें–

1 कथक नृत्य शिक्षा, प्रथमभाग (डॉ. पुरु दाधीच)
2 कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
3 कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
4 कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
5 कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भमें''(डॉ. अंजना झा)
6 कथक दर्पण/कथक ज्ञानेश्वरी (पं.तीरथराम आजाद जी)

आवश्यक निर्देश :–आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाइल प्रस्तुत करनी होगी।

(1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदिश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन

(2)विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट।
इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग(श्रेणी) करके बाह्यपरीक्षक के साथ प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा।जिसके आधार पर बाह्यपरीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा।जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनो के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।